कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक 28.02.2022

गर्ल्स कॉलेज में विज्ञान दिवस

भारत के विकास में विज्ञान की अहम भूमिका

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विभिन्न आयोजन किए गए। इस अवसर पर ''सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने भाग लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विज्ञान दिवस के अवसर पर हम विज्ञान की नई उपलब्धियों, मानव कल्याण और जन चेतना के अंतर्गत विकास की चर्चा करते है। स्वतंत्रता के बाद भारत के विकास में विज्ञान की अहम भूमिका रही है। आजादी के बाद से विज्ञान के क्षेत्र को प्राथमिकता दी गयी है।

सतत् भविष्य के लिए हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का कैसे बेहतर उपयोग करें इस पर मंथन आवश्यक है।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि जनमानस में वैज्ञानिक अनुप्रयोग के महत्व के संदेश को व्यापक तौर पर प्रसारित करने के लिए हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है। उन्होनें डॉ. सी.वी. रमन के जीवन से जुड़े कुछ प्रेरक प्रसंग की चर्चा की।

भौतिकशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. मीरा गुप्ता ने कहा कि आज जब सारी दुनिया कोविड महामारी से उबरने का प्रयास कर रही है तो इस विषय का महत्व और अधिक बढ़ जाता है कि सतत् भविष्य के लिए विज्ञान का नया दृष्टिकोण क्या है? हमारे देश के साथ–साथ पूरे विश्व के वैज्ञानिकों ने कोविड वैक्सीन बनायी गयी और हम इसमें सफल हुए। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास ही विकसित देश का मापदण्ड हो गया है। हमें इसके विकास के सार्थक प्रयास करने होगें ताकि आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य मिल सके। यह हमसब की जिम्मेदारी भी है।

संगोष्ठी में छात्राओं ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। एम.एससी. की कु. दीपाली ने पावर प्वाईन्ट के माध्यम से रमन प्रभाव और उसके रोचक उदाहरण को बखूबी प्रस्तुत किया।

कु. भौमिका साहू ने विज्ञान के दैनिक जीवन में प्रभाव पर चर्चा की तो कु. वेणुका ने मोबाईल और नई क्रांति पर प्रस्तुति दी। एम.एससी. अंतिम की कु. सोनाली पण्डा ने विज्ञान के उन अनुप्रयोगों को बताया जो सतत् भविष्य के लिए आवश्यक है।

विज्ञान दिवस के महत्व एवं उसकी आवश्यकता पर सारगर्भित संचालन करते हुए गरिमा जैन ने डॉ. सी.वी. रमन के योगदान को हमारे देश की गरिमा को सर्वोच्च स्थान दिलाने का श्रेय बताया तथा जनचेतना के लिए विद्यार्थियों को आगे आने का आव्हान किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. सी.वी. रमन के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। विज्ञान पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर कक्षाओं की सभी छात्राएँ उपस्थित थी।

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या
स्नात. महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में विज्ञान दिवस

भारत के विकास में विज्ञान की अहम भूमिका